

Lecture Notes

Lecture (1)

B.A Part I

Topic -

Paper I

Hull's reinforcement theory
of learning

Dr. Kironi Sadhana Basad

Associate Prof.

Dept. of Psychology

- Q. 1) Give a critical exposition of Hull's theory of Learning (1950)
- Q. 2) Discuss Hull's reinforcement theory of learning
- Q. 3) Examine critically Hypothetico-deductive theory of Learning discuss it.

~~Cerebrary~~ Cerebrary = उपरिहृत, अनुमान, विचार

Hull का सीखने के संबंध में सिद्धांतवादियों में नया महत्त्वपूर्ण स्थान है। "S-R Connectionism theories" अर्थात् सीखने के ऐसे सिद्धांत को उद्दीपन-अनुक्रिया के साध्य संबंधों (Connections) पर निरूपित हुए हैं जिनमें Hull का सिद्धांत का प्रथम स्थान है। इसीलिए Hull को उद्दीपन-अनुक्रिया-प्रवर्तन सिद्धांतवादी (S-R reinforcement theories) भी कहा जाता है। Hull एक महत्वाकांक्षी सिद्धांतवादी है जिन्होंने पहली बार "S-R Connectionism" से "S-O-R Connectionism" पर अपना सिद्धांत विकसित किया। उन्होंने अपने शिक्षण सिद्धांत को 17 मान्यताओं (Postulates), 15 विचारों (Cerebrary) तथा 133 साध्यों (Theorems) में प्रस्तुत किया। मान्यताओं (Postulates) प्राणी के व्यवहारों के बारे में कुछ ऐसी बुनियादी कथन (Basic statements) हैं जिन्हें सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं होती। इस प्रकार मान्यताओं के द्वारा ही उनका के तथ्यों को Hull ने सिद्ध करने की कोशिश किया है।

मान्यताओं (Postulates) के आधार पर ही Hull ने प्राणी के व्यवहारों के कई नियमों का सृजन किया है जिन्हें साध्य (Theorem) कहते हैं।

Postulates से दो तरह के अनुमान निकाले जा सकते हैं :-

Page (2)

(a) तत्कालिक अनुमान (Immediate inference) यही उस सिद्धांत (Cocollary) कहलाता है।
(b) विलम्बित अनुमान (Delayed inference)

जैसे शास्त्र (Theorem) कहते हैं।

Hull ने अपने शिक्षण सिद्धांत को विकसित

करने में Pavlov, Skinner, Watson, Thorndike आदि

प्रमुख शिक्षण सिद्धांतवादियों से सामग्री ली है। अतः इसके सिद्धांत में इन सब का प्रभाव पाया जाता है। Hull ने S-R

की जगह S-O-R प्रणाली से अपने सिद्धांत को विकसित

करने में अजीरण प्राप्त किया। इसके लिए उन्होंने कुछ अन्तर्वर्ती परिवर्त्यों (Intervening variables) का

सूजन किया। अतः इसके लिए Hull को भविष्यकाल विधि (Predictive method) को अपनाना पड़ा। वास्तव में

Hull की प्रख्यात रचना इसी विधि को विकसित करने की थी।

Hull ने इसी माल्वाकांक्षा से अपने शिक्षण सिद्धांत में परिवर्त्यों की चार अवस्थाओं को अपने

भविष्यकाल योजना (Predictive method) के रूप में प्रस्तुत किया। पहली अवस्था में स्वतंत्र परिवर्त्यों

(Independent variable) है, जिससे Hull भविष्यकाल (Prediction) करता है फिर इसके योजना को यौग्य

अवस्था में आश्रित परिवर्त्यों (Dependent variable) को रखा जिसके बारे में भविष्यकाल किया गया था

बीच की दूसरी, तीसरी अवस्थाएँ अन्तर्वर्ती परिवर्त्यों (Intervening variables) को रखी जाती हैं।

पहली तथा यौग्य अवस्था होती है। अब Hull (1972) ने Hull के इसी भविष्यकाल योजना निम्न निदर्श

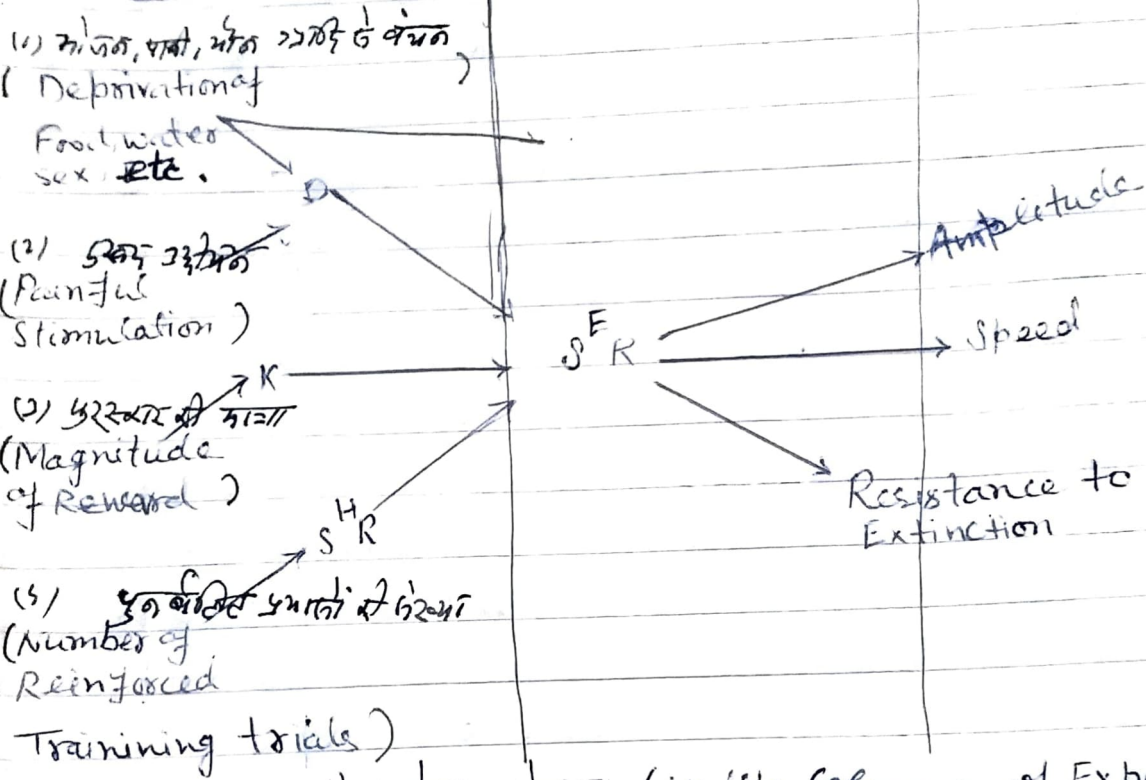
(Diagram) में रखा है, जिसमें स्वतंत्र परिवर्त्यों अन्तर्वर्ती परिवर्त्यों को प्रभावित करता है और अन्तर्वर्ती परिवर्त्यों

परिवर्त्यों बदले में आश्रित परिवर्त्यों (Dependent variable) को प्रभावित करने हैं। इसी योजना को तीर के चिह्न से

प्रयोग योजना है :-

Hull's Paradigm: A Psychological System of Learning.

I stage (Independent variables)	II & III Stage Intervening variables	IV stage Dependent variables
------------------------------------	-----------------------------------------	---------------------------------



हल्ल की प्रयोग-योजना (Hull's Scheme of Experimentation)

Hull ने अपने प्रयोग-योजना की दूसरी आवृत्ति में कुछ ऐसे अन्तर्वर्ती परिवर्तों को लिया जिन्हें प्रत्यक्ष रूप में देखा नहीं जा सकता। ये प्राणी की सूक्ष्म, कार्बनिक, आंतरिक अवस्थाएँ होती हैं। इन्हें किस तरह नियंत्रित किया जा सकता है इसके लिए उन्होंने कुछ वैधानिक पद्धति अपनायी।
Hull के शब्दों में :-

"Hull introduces intervening variables. These are hypothetical state of the organism that cannot be observed but they are assumed to be directly controlled by independent variables." — Hull